अतितृष्णां न कर्तव्या तृष्णां नैव परित्यजेत्।
शनैःशनैश्च भोक्तव्यं स्वयं वित्तमुपार्जितम्॥
अधिक इच्छाएं नहीं करनी चाहिए, पर इच्छाओं का सर्वथा त्याग भी नहीं करना चाहिए। अपने कमाए हुए धन का धीरे-धीरे उपभोग करना चाहिए।

अमर उजाला my city लखनऊ

सुप्रभात

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी, विक्रम संवत 2076

सोमवार • 27.05.2019

08 बिल्लो रानी... पर झूमे दर्शक

Lucknow.amarujala.com

गोमतीनगर के विकास को जुटे पूर्व जज, ब्यूरोक्रेट

दिया सुझाव, आवासीय में व्यावसायिक गतिविधियां रोकें

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। गोमतीनगर के नियोजित विकास के लिए अब खुद पूर्व ब्यूरोक्रेट, टेक्नोक्रेट और पूर्व जज सामने आए हैं। विपुलखंड स्थित एक कॉलेज में रविवार को एक संयुक्त बैठक में गोमतीनगर के विकास के लिए सुझाव जुटाए गए। इन सुझावों का एक प्रस्ताव बनाकर सांसद राजनाथ सिंह और प्रदेश सरकार को गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति देगी।

इस बैठक में बड़ा मुद्दा पूर्व आईपीएस अधिकारी और लखनऊ के डीआईजी रहे डॉ. आरकेएस राठौर ने उठाया। उनका कहना है कि अगर गोमतीनगर को आवासीय जरूरतों के लिए बेहतर बनाना है तो सबसे पहले यहां घरों में खुले शोरूम व दूसरी व्यावसायिक गतिविधियों को बंद कराना होगा। इससे स्थानीय नागरिकों को समस्याएं होती हैं। इसके लिए पुलिस के सहयोग से महासमिति अभियान चलाए। डॉ. राजेंद्र मिश्र ने भी उनका समर्थन किया। एससी शुक्ल ने कहा कि सड़क किनारे खाली पड़ी जमीन पर घास लगा दी जाए। इससे धूल नहीं उड़ेगी और वायु प्रदूषण कम होगा।

जनकल्याण महासमिति की बैठक में शामिल पूर्व अफसर।

प्राथमिकता पर बचाएं पानी

महासमिति की बैठक के बीच एक सुझाव आया कि गिरते जलस्तर को देखते हुए गंदे पानी को रीसाइकिल कर बागवानी जैसे कामों में उपयोग किया जाए। पानी की बर्बादी किसी को नहीं करने दी जाए। टेक्नोक्रेट आरपी सिंह ने कहा कि जल आपूर्ति में स्वच्छ और पीने योग्य पानी को सुनिश्चित किया जाए।

अवैध डेयरियां बाहर हों

डॉ. आरसी मिश्र ने सुझाव दिया कि रिहाइशी इलाके में यहां कई डेयरियां अवैध रूप से चल रही हैं। इससे गंदगी का आलम बना रहता है। ऐसी डेयरियों को आबादी से बाहर करने का आदेश भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अलग-अलग समय कर चुके हैं। सड़कों पर होने वाली गंदगी और अराजकता भी इससे खत्म होगी।

राजेंद्र प्रसाद पार्क में पार्किंग बनाएं

मनोज उपाध्याय ने पत्रकारपुरम क्षेत्र में पार्किंग की समस्या का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि इसकी तुरंत जरूरत है। वहीं मनोज यादव ने कहा कि यातायात व्यवस्था तभी ठीक चल सकती है जब पार्कि ंग व्यवस्था हो। सड़क पर वाहनों को खड़े होने से रोकने के लिए राजेंद्र प्रसाद पार्क में भूमिगत पार्किंग का निर्माण करा दिया जाए।

ये सुझाव भी आए

- चौराहों और लोहिया पथ पर अंडरपास बनाए जाएं
- सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाए
- वाटर एटीएम और महिला शौचालय बनाए जाएं
- स्मार्ट हाउस बनाने पर स्थानीय लोग काम करें
- स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में भूमिगत बिजली लाइन आदि पर काम हो
- कालोनियों में सुरक्षा के लिए गेट लगाए जाएं
- सीसीटीवी कैमरा लगाए जाएं
- वायु और ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए काम हो
- कूड़ा निस्तारण के लिए प्रबंधन ठीक किया जाए

बैठक में ये लोग हुए शामिल

पूर्व जज डीपी अरोड़ा, पूर्व जज वीके दीक्षित, महासचिव आरडब्ल्यूए डॉ. राघवेंद्र शुक्ला, सचिव आरके शर्मा, पूर्व एमडी यूपीआरआरएन व पर्यावरणविद डॉ. भरतराज सिंह, पूर्व डीजीएम एमसी द्विवेदी, पूर्व वैज्ञानिक आनंद प्रकाश साहू, पूर्व आईपीएस डॉ. आरकेएस राठौर, पूर्व सीएमओ डॉ. चित्रा सक्सेना, पूर्व मुख्य अभियंता आरपी मिश्रा, डॉ. कविता पाठक, इंटीरियर डिजाइनर पारूल अग्रवाल।